डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

दिनांक 21 अप्रैल 2021

प्रेस विज्ञप्ति

प्रतिष्ठित आधुनिक भारतीय लेखक शंख घोष, जो साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य भी थे, के आज दिनांक 21 अप्रैल 2021 को कोलकाता स्थित उनके निवास पर निधन हो जाने से साहित्य अकादेमी गहरे शोक और आघात में है। वे कोविड–19 से ग्रस्त थे। उनका निधन संपूर्ण भारतीय साहित्य समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

शंख घोष का जन्म 6 फरवरी 1932 को चाँदपुर, त्रिपुरा (अब बांग्लादेश में) में हुआ था। पिछले पाँच दशकों से साहित्य संसार में सक्रिय शंख घोष बाङ्ला साहित्य की दुनिया में अपने आप में एक संस्थान थे। कोलकाता के विभिन्न महाविद्यालयों में कार्य करते हुए उन्होंने जादवपुर विश्वविद्यालय से 1992 में सेवानिवृत्ति प्राप्त की थी। अध्यापक के रूप में ख्याति के नाते उन्हें अंतरराष्ट्रीय सर्जनात्मक लेखन कार्यक्रम के लिए आयोवा यूनिवर्सिटी (संयुक्त राज्य अमेरिका) द्वारा आमंत्रित किया गया, जिसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, विश्वभारती (शांतिनिकेतन) में फेलौ, आईआईएएस (शिमला) में पोएट इन रेजिडेंस, मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार के एमेरिटस फेलौ के रूप में भी योगदान किया।

एक कवि और आलोचक के रूप में उनकी तीस से भी अधिक कृतियाँ प्रकाशित हैं, जिनमें *आदिम लतागुल्ममय, बाबरेर प्रार्थना, धूम लेगेछे हृत्कमले, गांधर्व कवितागुच्छ* तथा *चाँदेर भितरे एतो अंधकार* प्रमुख हैं। एक आलोचक के रूप में भी वे बाङ्ला के समकालीन साहित्यिक परिदृश्य के शीर्ष पर रहे तथा उनके द्वारा लिखित बालसाहित्य ने बढ़ते बच्चों के हृदय को जीत लिया। उनकी रचनाओं के अनुवाद प्रमुख भारतीय भाषाओं सहित अनेक विदेशी भाषाओं में भी प्रकाशित और प्रशंसित हुए।

उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्भूषण अलंकरण, साहित्य अकादेमी का सर्वोच्च सम्मान महत्तर सदस्यता, साहित्य अकादेमी पुरस्कार, साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार, ज्ञानपीठ पुरस्कार, सरस्वती सम्मान, रवींद्र पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार–सम्मानों से विभूषित किया गया था।

विगत पचास वर्षों से वे साहित्य अकादेमी से जुड़े हुए थे तथा उन्होंने बहुत से युवाओं को गंभीर साहित्य के लिए प्रेरणा दी। उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है।

साहित्य अकादेमी के प्रत्येक सदस्य के साथ मैं भी उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थनारत हूँ।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in